**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय
रक्षा विभाग**

**राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 834**

**28 जुलाई, 2015 को उत्तर के लिए**

 **तटरक्षक निगरानी विमान का गायब होना**

**834. श्री मोती लाल वोरा :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 10 जून, 2015 को भारतीय तटरक्षक बल का एक निगरानी विमान अचानक गायब हो गया ;

(ख) निगरानी विमान के गायब होने के क्या कारण थे ;

(ग) निगरानी विमान से संकेत प्राप्त नहीं हो पाने के क्या कारण थे ; और

(घ) सरकार द्वारा भविष्य में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना, विशेषकर विमानों से संकेत प्राप्त नहीं हो पाने की स्थिति से बचने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

**उत्तर
रक्षा मंत्री (श्री मनोहर पर्रीकर)**

(क) से (घ) : जी, हां । 8 जून, 2015 को नेमी रात्रि निगरानी के दौरान, भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) का डोर्नियर विमान सीजी-791 त्रिची में अवस्थित रडार से उस समय अचानक गायब हो गया जब यह कराइकल से 32 मील उत्तर-पूर्व में था । आईसीजी, नौसेना और अन्य एजेंसियों द्वारा गहन खोजबीन के पश्चात, फ्लाइट डाटा रिकार्डर (एफडीआर) और कॉकपिट वॉयस रिकार्डर (सीवीआर) के साथ-साथ विमान के मलबे को 10.7.2015 को समुद्र से बरामद कर लिया गया है ।

 ऊपर उड़ रहे विमान को पृथ्वी पर लगे रडार द्वारा लगातार ट्रैक किया जाता है । रडार ट्रैक से प्राप्त सूचनाओं का किसी लापता विमान की अवस्थिति (अत्यधिक संभावित अवस्थिति) का पता लगाने के लिए उपयोग किया जा सकता है । उपग्रह आधारित इमरजेंसी लोकेटर ट्रांसमीटर (ईएलटी) के अलावा, आईसीजी विमान सोनार लोकेटर बीकन (एसएलबी) से भी सुसज्जित हैं जो लापता आईसीजी डोर्नियर विमान सीजी-791 के फ्लाइट डाटा रिकार्डर (एफडीआर) तथा विमान मलबे की अंतर्जलीय अवस्थिति का पता लगाने में महत्वपूर्ण रही है ।

 एफडीआर और सीवीआर का विश्लेषण करने तथा उक्त विमान के गायब हो जाने के कारणों की जांच करने के लिए एक जांच बोर्ड (बीओआई) का गठन किया गया है ।

\*\*\*\*\*